ऐ अल्लाह के रसूल! क्या हम क़यामत के दिन अपने रब को देख सकेंगे? आपने कहा : “जब आसमान साफ हो तो क्या सूरज और चाँद को देखने में तुम्हें कोई कठिनाई होती है?”

अबू सईद खुदरी (रज़ियल्लाहु अन्हु) से रिवायत है, वह कहते हैं कि हमने कहा : ऐ अल्लाह के रसूल! क्या हम क़यामत के दिन अपने रब को देख सकेंगे? आपने कहा : “जब आसमान साफ हो तो क्या सूरज और चाँद को देखने में तुम्हें कोई कठिनाई होती है?” हमने कहा : नहीं। आपने फ़रमाया : “उस दिन तुम्हें अपने रब को देखने में इससे अधिक कठिनाई नहीं होगी।” फिर फ़रमाया : “आवाज़ देने वाला आवाज़ देगा : जो गिरोह (दुनिया में) जिसकी इबादत करता था, वह उसी के साथ जाए। अतः, सलीब वाले अपनी सलीब के साथ, बुत परस्त अपने बुतों के साथ और (झूठे) माबूदों वाले अपने माबूदों के साथ हो जाएँगे और केवल वही लोग शेष रह जाएँगे, जो अल्लाह की इबादत करते थे, चाहे वे नेक हों या गुनहगार। इसी तरह कुछ बचेखुचे किताब वाले भी शेष रह जाएँगे। फिर जहन्नम को इस हाल में लाया जाएगा जैसे कि वह सराब हो और यहूदियों से कहा जाएगा : तुम किसकी इबादत करते थे? वे कहेंगे : हम अल्लाह के बेटे उज़ैर की पूजा करते थे। उनसे कहा जाएगा : तुम झूठ बोलते हो। अल्लाह की न तो पत्नी है और न पुत्र। अच्छा यह बताओ कि तुम चाहते क्या हो? वे कहेंगे : हम चाहते हैं कि तू हमें पानी पिलाए। कहा जाएगा : पी लो। चुनांचे, जब वे पानी पीने के लिए बढ़ेंगे, तो जहन्नम में गिर पड़ेंगे। फिर ईसाइयों से कहा जाएगा : तुम किसकी इबादत किया करते थे? उत्तर देंगे : हम अल्लाह के बेटे मसीह की इबादत करते थे। कहा जाएगा : तुम झूठ बोलते हो। अल्लाह की न पत्नी है और न बेटा। अच्छा, अब तुम क्या चाहते हो? उत्तर देंगे : हम चाहते हैं कि तू हमें पानी पिला दे। उनसे कहा जाएगा : ठीक है, पी लो। लेकिन जब पानी पीने के लिए बढ़ेंगे, तो जहन्नम में गिर पड़ेंगे। यहाँ तक कि केवल अल्लाह की इबादत करने वाले नेक और गुनहगार लोग बाक़ी रह जाएँगे। अतः, उनसे कहा जाएगा : तुम यहाँ क्यों रुके हुए हो, जबकि सब लोग जा चुके हैं? वे कहेंगे : हम उनसे उस समय अलग हो गए थे, जब हमें उनकी आज से कहीं अधिक ज़रूरत थी। हमने एक एलान करने वाले को यह एलान करते सुना कि जो गिरोह (दुनिया में) जिसकी इबादत करता था, वह उसके साथ चला जाए और इस समय हम अपने रब की प्रतीक्षा में हैं। आप (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फ़रमाया : तब सर्वशक्तिमान अल्लाह उनके सामने उससे भिन्न रूप में आएगा, जिस रूप में पहली बार उन लोगों ने उसे देखा था। अल्लाह कहेगा : मैं तुम्हारा रब हूँ। वे भी कहेंगे : अवश्य ही तू हमारा रब है। उस समय उससे केवल नबीगण ही बात करेंगे। अल्लाह कहेगा : क्या तुम्हारे और उसके बीच कोई निशानी है, जिसके माध्यम से तुम उसे पहचान सको? वे कहेंगे : हाँ! पिंडली। तब वह अपनी पिंडली खोलेगा, चुनांचे सारे मोमिन सजदे में गिर जाएँगे और केवल वही लोग शेष रह जाएँगे, जो (दुनिया में) दिखावे तथा शोहरत के सजदा करते थे। वे भी अन्य लोगों की तरह सजदा करने जाएँगे, लेकिन उनकी पीठ एक ही हड्डी की तरह बन जाएगी। फिर पुलसिरात को लाया जाएगा और जहन्नम के ऊपर रखा जाएगा।” हमने कहा : ऐ अल्लाह के रसूल! यह पुलसिरात क्या है? आपने कहा : “फिसलने और गिरने लायक़ एक पुल, जिसमें अंकुश और बड़े-बड़े और मुड़े हुए काँटे लगे होंगे, जो नज्द की सादान झाड़ी के काँटों की तरह होंगे। मोमिन उसपर से पलक झपकने की तरह, बिजली की रफ़तार से, हवा की चाल से, उम्दा घोड़े की रफ़तार से और ऊँट की रफ़तार से गुज़र जाएँगे। चुनांचे, कोई सुरक्षित गुज़र जाएगा, कोई खरोंच के साथ पार हो जागा और कोई जहन्नम में जा गिरेगा। यहाँ तक कि अंतिम व्यक्ति घिसटते हुए पार होगा।

तुम लोग आज किसी हक़ के लिए जिस तरह मुझसे मुतालबा करते हो, उस दिन ईमान वाले सर्वशक्तिमान अल्लाह से उससे भी अधिक ज़ोर-शोर से मुतालबा करेंगे। फिर जब देखेंगे कि उनको मुक्ति मिल गई है, तो अपने भाइयों के बारे में कहेंगे : ऐ हमारे रब! हमारे भाइयों को मुक्ति प्रदान कीजिए, जो हमारे साथ नमाज़ पढ़ते थे, हमारे साथ रोज़ा रखते थे और हमारे साथ काम करते थे। उच्च एवं महान अल्लाह कहेगा : जाओ और जिसके दिल में राई के दाने के बराबर भी ईमान पाओ, उसे निकाल लाओ। अल्लाह उनके चेहरों को जहन्नम की आग पर हराम कर देगा। वे उनके पास आएँगे, तो कोई अपने क़दमों तक आग में फँसा होगा और कोई आधी पिंडली तक। जिन्हें वे पहचान पाएँगे, उन्हें निकाल लेंगे। फिर लौटकर जाएँगे, तो अल्लाह कहेगा : फिर जाओ और जिसके दिल में राई के दाने के समान भी ईमान पाओ, उसे निकाल लो। वे जाएँगे और जिन्हें पहाचन सकेंगे, उन्हें निकाल लाएँगे।” अबू सईद ख़ुदरी (रज़ियल्लाहु अन्हु) कहते हैं : यदि तुम्हें मेरी बात सच्ची न लगे, तो यह आयत पढ़ो : {निस्संदेह अल्लाह तनिक भी किसी पर अत्याचार नहीं करता तथा यदि कोई नेकी होती है, तो उसे अल्लाह बढ़ाता है।} फिर नबी, फरिश्ते और मोमिन सिफ़ारिश करेंगे तथा सर्वशक्तिमान अल्लाह कहेगा : अब मेरी सिफ़ारिश शेष रह गई है। चुनांचे जहन्नम से एक मुट्ठी उठाएगा और ऐसे लोगों को निकालेगा, जो जल चुके होंगे। फिर उन्हें जन्नत के सामने वाली नहर में डाला जाएगा, जिसे आब-ए-हयात कहा जाता है। वे उसके दोनों किनारों पर इस प्रकार उग उठेंगे, जैसे सैलाब के झाग में पौधे उग आते हैं। तुमने किसी चट्टान के किनारे और पेड़ के किनारे पौधों को उगते देखा होगा। उनका जो भाग सूर्य की ओर होता है, वह हरा होता है और जो साए की ओर होता है, वह सफ़ेद होता है। चुनांचे वे ऐसे निकलेंगे, जैसे मोती हों। फिर उनकी गरदनों पर मुहरें लगा दी जाएँगी और वे जन्नत में प्रवेश करेंगे। उन्हें देख जन्नत वाले कहेंग : ये दयावान अल्लाह के द्वारा मुक्त किए हुए लोग हैं। अल्लाह ने इन्हें इनके द्वारा किए गए किसी कार्य और इनके द्वारा आगे भेजी गई
किसी भलाई के बिना ही जन्नत में दाख़िल किया है। उनसे कहा जाएगा : तुम्हारे लिए वह है,
जो तुम देख रहे हो और उसके साथ उसके समान भी।" [सह़ीह़] [इसे बुख़ारी एवं मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- के कुछ साथियों ने आपसे पूछा कि क्या क़यामत के दिन हम अपने पालनहार को देख सकेंगे? तो आपने उनको उत्तर दिया कि हाँ, तुम क़यामत के दिन अपने पालनहार को उसी तरह देख सकोगे, जैसे दोपहर के समय सूरज को और चौदहवीं की रात में चाँद को देखते हो। न भीड़-भाड़ होगी, न टकराव। याद रहे कि यहाँ तशबीह स्पष्टता तथा संदेह, कठिनाई और टकराव न होने में दी गई है। यहाँ समानता एक देखने की दूसरे देखने से बताई गई है, एक देखी जाने वाली चीज़ की दूसरी देखी जाने वाली चीज़ से नहीं। ज्ञात हो कि यह देखना उस देखने से भिन्न है, जिसका सौभाग्य अल्लाह के वलियों को जन्नत में सम्मान के रूप में प्राप्त होगा। यह दरअसल इस बात का अंतर करने के लिए है कि किसने अल्लाह की इबादत की और किसने उसके अतिरिक्त किसी और की इबादत की। फिर अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम-ने बताया कि क़यामत के दिन एक पुकारने वाला पुकारेगा कि जो अल्लाह के अतिरिक्त किसी और की इबादत करता था, वह उसके साथ हो जाए। एक अन्य सहीह रिवायत में है कि स्वयं पवित्र अल्लाह ही पुकारेगा। अतः जो लोग अल्लाह को छोड़ बुतों की पूजा करते थे उन्हें एकत्र किया जाएगा और जहन्नम की आग में डाल दिया जाएगा। अब केवल वही लोग बचेंगे जो अल्लाह की इबादत करते थे, चाहे आज्ञाकारी हों या अवज्ञाकारी। इसी तरह बचे-खुचे यहूदी एवं ईसाई भी रह जाएँगे। जबकि अधिकतर, बल्कि समूचे यहूदियों एवं ईसाइयों को उनके बुतों के साथ जहन्नम में डाल दिया जाएगा। फिर जहन्नम को लोगों के सामने लाया जाएगा, जो सराब (मरीचिका) की तरह दिखाई देगी। चुनांचे यहूदियों को लाया जाएगा और उनसे कहा जाएगा कि तुम किसकी इबादत करते थे? उत्तर देंगे कि हम अल्लाह के बेटे उज़ैर की इबादत करते थे। इसपर उनसे कहा जाएगा : तुम्हारी यह बात झूठी है कि उज़ैर अल्लाह के बेटे हैं। अल्लाह की न तो पत्नी है और न संतान। फिर उनसे कहा जाएगा कि तुम चाहते क्या हो? उत्तर देंगे कि हम पानी पीना चाहते हैं। उस दिन इतनी

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/8301